प्रश्नोत्तर & वर्कशीट – PART - 2 **आई एम कलाम के बहाने**

(मैं स्कूल जाने में रोया करता । ------------------ वह से ही शादी में पहनकर आता ।)

1. नए शब्द –

* रोया करता - പതിവായി കരയാറുണ്ടായിരുന്നു * बहाने बनाया करता - ഒഴിവുകഴിവുകൾ ഉണ്ടാക്കാറുണ്ടായിരുന്നു
* तेज़ बारिश - ശക്തമായ മഴ * छुट्टी हो जाया करती - അവധി എടുക്കാറുണ്ടായിരുന്നു * नाचा करता - നൃത്തം ചെയ്യാറുണ്ടായിരുന്നു
* समझ नहीं पाता था – മനസ്സിലാക്കാൻ കഴിഞ്ഞിരുന്നില്ല * सहपाठी - ഒരുമിച്ച് പഠിക്കുന്ന * नागा – गैर ज़रूरी ഹാജരാകാതിരിക്കൽ
* गहरा प्रेम - അഗാധമായ സ്നേഹം * रविवार - sunday * हफ्ता - week * नीली-खाकी - നീല-കാക്കി നിറമുള്ള
* बुरा दिन हुआ करता - മോശം ദിവസമായിത്തീരാറുണ്ടായിരുന്നു * हमेशा – सदा എപ്പോഴും * चिढा करता - വെറുക്കാറുണ്ടായിരുന്നു
* पहनना - ധരിക്കുക * टाला करता - ഒഴിവാക്കാറുണ്ടായിരുന്നു * वही - അവൻ തന്നെ/അവൾ തന്നെ/അതു തന്നെ
* मोहल्ला – इलाका പ്രദേശം * शादी – विवाह * हैरान रह जाना – आश्चर्य हो जाना ആശ്ചര്യപ്പെടുക * समझ आना - മനസ്സിലാവുക
* बिताए - ചെലവഴിച്ച * खराब – बुरा മോശമായ * समझा करता था - കരുതാറുണ്ടായിരുന്നു * खेत-मजूरी - കൃഷിപ്പണി
* कमरतोड मेहनत करना – अत्यधिक परिश्रम करना കഠിനപ്രയത്നം ചെയ്യുക * इतर – शेष * एकमात्र - ഒരേയൊരു * शायद - ഒരുപക്ഷേ
* बच्चा बना रह सकता था – കുട്ടി ആയിത്തീരാൻ സാധിച്ചിരുന്നു * बोझ – भार ഭാരം * बेहतर – अच्छा മികച്ച * कमीज़ – कपडा വസ്ത്രം
* बडे बाज़ार - വലിയ കമ്പോളം * नया जोडा - പുതിയ ജോഡി

2. विशेषण शब्द लिखें ।

1. नए बहाने – नए 2. तेज़ बारिश – तेज़ 3. गहरा प्रेम – गहरा 4. बुरा दिन – बुरा
5. नीली-खाकी यूनीफॉर्म - नीली-खाकी 6. स्कूल यूनीफॉर्म – स्कूल 7. खराब समय – खराब 8. अच्छा समय – अच्छा
9. कमरतोड मेहनत – कमरतोड 10. एकमात्र समय – एकमात्र 11. इतर दिन – इतर 12. बेहतर कपडे – बेहतर
13. बडे शहर – बडे 14. बडे बाज़ार – बडे 16. नया जोडा – नया 15. एकमात्र कमीज़-पैंट – एकमात्र
17. कीमती कपडे – कीमती 18. सारे दिन – सारे 19. बिताए समय – बिताए

3. मुहावरे का मतलब क्या है ?

1. कमरतोड मेहनत करना – अत्यधिक परिश्रम करना 2. हैरान रह जाना – आश्चर्य हो जाना

4. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. मिहिर के पास ज़्यादा कपडे थे, जिनको वह कहाँ से खरीदा था ?
   बडे शहरों के बडे बाज़ारों से
2. स्कूल जाने में मिहिर और मोरपाल में क्या फर्क होता है ?
   मोरपाल रोज़ स्कूल जाना चाहता तो मिहिर को स्कूल जाना कतई पसंद नहीं था ।
3. मोरपाल सदा स्कूल की यूनीफॉर्म पहनता था । क्यों ?
   क्योंकि मोरपाल के पास एकमात्र कमीज़ पैंट का नया जोडा वह नीली खाकी स्कूल यूनिफॉर्म ही थी ।
4. मोरपाल पढाई छोडकर क्या किया ?
   घर की कमरतोड मेहनत और खेत-मजूरी
5. किसको स्कूल जाना पसंद नहीं था ?
   मिहिर को
6. मोरपाल का स्कूल आठवीं के बाद छूट जाता है । क्यों ?
   गरीबी के कारण
7. लेखक के स्कूल की यूनीफॉर्म का रंग क्या था ?
   नीली-खाकी
8. किसके पास यूनीफॉर्म के अलावा बेहतर कपडे नहीं थे ?
   मोरपाल के पास
9. लेखक के अनुसार मोरपाल हफ्ते के किस दिन को सबसे बुरा मानता था ?
   रविवार को
10. स्कूल में बिताए समय किसको अपने बचपन का सबसे खराब समय था ?
   मिहिर को
11. किसके लिए स्कूली यूनीफॉर्म बोझ थी ?
   मिहिर केलिए

12. मोरपाल केलिए रविवार की छुट्टी का दिन हफ्ते का सबसे बुरा दिन क्यों होता ?

रविवार को घर पर कमरतोड मेहनत करना पडता है ।

13. लेखक बारिश के दिनों में घर पर नाचा करता था । क्यों ?

उसे स्कूल जाना नहीं पडेगा ।

14. मोरपाल की पढाई क्यों बंद हो जाती है ?

आठवीं के बाद उसका स्कूल छूट जाता है ।

15. बचपन में लेखक को यूनीफॉर्म पहनना क्यों पसंद नहीं था ?

क्योंकि लेखक के पास अपनी पसंद से बडे शहरों के बडे बाज़ारों से खरीदे बेहतर कपडे थे ।

16. मोरपाल शादी में भी स्कूली यूनीफॉर्म पहनकर क्यों आता था ?

क्योंकि मोरपाल के पास एकमात्र कमीज़ पैंट का नया जोडा वह नीली खाकी स्कूल यूनिफॉर्म ही थी ।

17. मोरपाल के लिए जीवन का सबसे अच्छा समय स्कूल में बिताए समय था । क्यों ?

स्कूल जाते समय ही मोरपाल घर के काम से बचकर एक बच्चा बना रह सकता था और अपने मित्रों के साथ खुशी से रह पाता । स्कूल उसको अच्छी शिक्षा पाकर बडे आदमी बनने की जोश पैदा करता था । इसलिए वह अपनेगाँव से पंद्रह साइकिल चलाकर बिना नागा रोज़ स्कूल जाना चाहता था ।

18. मैं स्कूल की नीली-खाकी यूनीफॉर्म से हमेशा चिढा करता । - इससे आपने क्या समझा ?

लेखक के पास अपनी पसंद से बडे शहरों के बडे बाज़ारों से खरीदे बेहतर कपडे थे । इसलिए स्कूल की नीली-खाकी यूनीफॉर्म से सदा चिढा करता था और उसे पहनना पसंद नहीं करता था ।

19. बचपन का दोस्त मोरपाल के बारे में मिहिर की यादें क्या–क्या हैं ?

मोरपाल मिहिर का अच्छा मित्र था । वह एक गरीब परिवार का था। वह रोज़ 15 किलोमीटर साइकिल चलाकर स्कूल आता था । वह अपने घर से छाछ लाता था और वह मिहिर को देकर मिहिर का राजमा–चावल खाता था । मोरपाल रोज़ यूनीफॉर्म पहनना और स्कूल जाना पसंद करता था ।

20. ‘ रविवार की छुट्टी का दिन उनकेलिए हफ्ते का सबसे बुरा दिन हुआ करता ।‘- ऐसा क्यों कहा गया है ?

स्कूल से गहरा प्रेम होने से मोरपाल ओर उसके जैसे सहपाठी बिना नागा रोज़ स्कूल आना चाहता था । स्कूल उनको जीवन में सफलता पाने की जोश पैदा करता था । रविवार को स्कूल न होने से वे निराश हैं और उसे हफ्ते का सबसे बुरा दिन मानते हैं ।

21. मिहिर और मोरपाल के जीवन अनुभवों के आधार पर टिप्पणी

मिहिर संपन्न परिवार में जन्मा था। उनको रोज़ स्कूल जाना पसंद नहीं था । उनके पास बडे शहरों के बडे बाज़ारों से खरीदे बेहतर कपडे होने से उनकेलिए स्कूल यूनीफॉर्म एक बोझ थी । स्कूल में बिताए समय को वह अपने बचपन का सबसे खराब समय समझा करता था । लेकिन उनका साथी मोरपाल दरिद्र परिवार का था । वह रोज़ पंद्रह किलोमीटर साइकिल चलाकर स्कूल आता था । घर की कडी मेहनत और खेत मजूरी के बाद स्कूल का एकमात्र समय वह बच्चा बना रह सकता था । उसके पास एकमात्र कमीज़ -पैट का नया जोडा उसकी स्कूल यूनीफॉर्म ही थी । स्कूल में बिताए समय उसकेलिए बचपन का सबसे अच्छा समय था । रविवार की छुट्टी उनकेलिए हफ्ते का सबसे बुरा दिन था ।

22. टिप्पणी – अपनी स्कूली जीवन की याद करके

सब छात्रों की तरह मुझे भी बचपन में एक अच्छा मित्र था । उसका नाम था मुहम्मद । हम दोनों क्लास में पास-पास बैठते थे । हम दोनों अच्छी तरह पढते थे । कभी-कभी वह मेरा घर आता था तो कभी मैं उसका । शाम को हम पास के खेत में खेलते थे । स्कूल के खाने के समय हम खाने की अदला-बदली भी करते थे । वह घर से बिरियानी लाता था, वह मुझे देता था । मैं घर से लाता भात वह भी खाता था । ईद के दिन मैं उसका घर जाता था तो ओणम के दिन वह मेरा घर भी आता था । ऐसे अवसर पर हम साथ खाते थे । पढाई में हम एक दूसरे की मदद भी करते थे । हम दोनों पढ-लिखकर एक अच्छी नौकरी प्राप्त करना चाहते थे । वह अच्छी तरह चित्र खींचता था । मुझे तो गाना बहुत पसंद था । उसका जैसा मित्र मिलना मेरा सौभाग्य है । मैं उसकी दोस्ती कभी छूटना नहीं चाहती ।

23. टिप्पणी – मोरपाल जैसे बच्चों के बचपन की दुर्दशा

गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण मोरपाल जैसे बच्चों को बहुत कठिनाइयाँ झेलना पडा था । पढे-लिखे न होने से घरवाले तो बच्चों को स्कूल भेजने के बदले काम पर भेजने को अधिक पसंद करते हैं । पढाई में आगे होने पर भी बच्चे शिक्षा से अलग होकर जीने में विवश थे । स्कूल जाने का मौका मिलते बच्चे भी पढाई में ध्यान नहीं दे सकते, उन्हें माँ-बाप के साथ पूरा समय खेत मजूरी करने जाना पडता है । गरीबी के कारण ठीक से भोजन तथा अच्छे कपडे भी उन्हें नज़ीब नहीं थे । गाँव में अपने घर के पास कोई स्कूल न होने से वह रोज़ घर से स्कूल तक पंद्रह किलोमीटर साईकिल चलाकर आता था । स्कूल जाते समय ही मोरपाल घर के काम काज से बचकर एक बच्चा बना रह सकता और अपने मित्रों के साथ खुशी से रह पाता । स्कूल उसको अच्छी शिक्षा पाकर बडे आदमी बनने की जोश पैदा करता था । इसलिए मोरपाल और उसके सहपाठी बिना नागा रोज़ स्कूल चले आते थे । स्कूल को लेकर उनका प्रेम इतना गहरा होने से रविवार की छुट्टी का दिन उनकेलिए हफ्ते का सबसे बुरा दिन हुआ करता । उसके पास एकमात्र कमीज़-पैंट का नया जोडा स्कूल की नीली-खाकी यूनीफॉर्म थी, इस कारण वही यूनीफॉर्म पहनकर सब कहीं जाता था । स्कूल जाने को बहुत पसंद करने पर भी कभी-कभी पढाई छोडकर पूरा समय काम पर लग जाने की गराब बच्चों की विवशता यहाँ हम देख सकते हैं ।

24. टिप्पणी - मोरपाल की चरित्रगत विशेषताएँ

मिहिर की आई एम कलाम के बहाने फिल्मी लेख का पात्र है मोरपाल। वह गाँव के स्कूल में मिहिर का साथी था। वह लेखक के पास ही बैठता था। खेल घंटी में खाने की अदला-बदली करता था। लेखक के टिफिन बॉक्स में रखे राजमा को देखकर वह खुशी से खिल जाता था। अपनी गरीबी के कारण वह उसे पहली बार देखा था। घर की कमरतोड मेहनत और खेत-मजूरी से बचने केलिए वह रोज़ स्कूल आता था। स्कूल के 15 किलोमीटर दूर के किसी गाँव से साइकिल चलाकर आता था। स्कूल उसको अच्छी शिक्षा पाकर बडे आदमी बनने की जोश पैदा करता था । वह लेखक केलिए छाछ लाकर देता था। उसके पास एकमात्र कमीज़-पैंट का नया जोडा वह नीली-खाकी स्कूल यूनीफॉर्म ही थी,इसलिए इसे पहनकर वह सब कहीं जाता था। वह आठवीं तक ही पढाई कर सकता है।

25. मिहिर की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी

आई एम कलाम के बहाने फिल्म का के रचयिता मिहिर पांडेय संपन्न परिवार में जन्मा था। गाँव के स्कूल में बचपन की पढाई की थी। वहाँ उनका साथी था मोरपाल। नाम का पहला अक्षर मिलने से वह मोरपाल के पास बैठता था। खेल घंटी में वह मोरपाल के साथ खाने की अदला-बदली करता था। लेखक केलिए सामान्य चीज़ राजमा मोरपाल को देकर उसके घर से लाता छाछ वह खाता था। छाछ उसकी कमज़ोरी थी। स्कूल में बिताए समय को वह अपने बचपन का सबसे खराब समय समझा करता था। वह स्कूल जाने में हमेशा रोया करता था। रोज़ नए बहाने बनाया करता और जब तेज़ बारिश के दिनों में स्कूल के रास्ते में पानी भर जाने से छुट्टी हो जाया करती, तो वह घर पर नाचा करता। उसकेलिए स्कूल की नीली-खाकी यूनीफॉर्म बोझ थी। उसके पास उससे बेहतर कपडे थे जिन्हें उसने अपनी पसंद से बडे शहरों के बडे बाज़ारों से खरीदा था। वह स्कूल की यूनीफॉर्म से हमेशा चिढा करता और उसे पहनना हमेशा टाला करता। इससे अमीर होने पर भी दोस्ती को पसंद करनेवाला और स्कूल जाना, यूनीफॉर्म पहनना आदि न पसंद करनेवाले बच्चे को यहाँ हम उसमें देख सकते हैं।

26. लघु लेख – मित्रता / दोस्ती

दोस्ती जीवन की सबसे कीमती उपहारों में से एक है। जिसकी ज़िंदगी में सच्चे दोस्त हैं, वह भाग्यशाली है। यह रिश्ता मनुष्य खुद बनता है। सच्चा मित्र मुश्किल हालतों में भी हमारे साथ खडा होता है। यह तो अनमोल धन के समान होता है। इसकी तुलना हम दुनिया की किसी और चीज़ से नहीं कर सकते। सच्ची मित्रता से एक साधारण मानव भी श्रेष्ठ और पूजनीय अनुभव है। अमीर- गरीब, छोटा-बडा आदि बातों में मित्रता का कोई स्थान नहीं है।

27. मोरपाल की डायरी

तारीख: ……………….

आज मेरेलिए कैसा दिन था, बता नहीं सकता। कल रविवार स्कूल की छुट्टी … । हे भगवान पूरे दिन घर में कमरतोड मेहनत करना पडेगा। याद करते ही मन दुख से भर जाता है। स्कूल है तो यूनीफॉर्म पहनकर खेत मजूरी से बच पाता। पर … दुख की बात है कल राजमा भी खा न सकता। मित्रों के साथ खुशी से कल बिता नहीं पाएगा। मुझे तो पढना ही बहुत पसंद है। लेकिन घरवालों को मुझसे काम करवाना अच्छा लगता है। काश रविवार को छुट्टी न होते तो कितनी अच्छी बात होती ! आज बस इतना ही … बहुत नींद आ रही है। मैं सोने जा रहा हूँ।

28. मिहिर की डायरी (मोरपाल का स्कूल आठवीं के बाद छूट जाने के बारे में)

तारीख : ....

आज मेरेलिए दुखी दिन था। आज भी सारे दिनों के जैसे मोरपाल मेरेलिए छाछ लाया। बदले में मैंने उसको राजमा-चावल दिया। मोरपाल ने मुझसे कहा कि वह कल से स्कूल नहीं आएगा। मैं यह सुनकर स्तब्ध रह गया। वह गरीब है तो भी पढने में होशियार है। मुझे तो स्कूल जाना पसंद नहीं है। मोरपाल कल से अपने पिता के साथ खेत-मजूरी करने जाएगा। मैं मोरपाल की दोस्ती के कारण ही स्कूल जाता था। कल से मैं कैसे स्कूल जाऊँ ? किससे दोस्ती करूँ ? मैं बहुत उदास हूँ।

29. मोरपाल की डायरी (वह कल से स्कूल नहीं जा पाने से दुखी होकर)

तारीख : ....

आज मेरेलिए दुखी दिन था। आज सबेरे पिताजी ने कहा कि कल से स्कूल नहीं जाएँ। मेरा परिवार बहुत गरीब है। इसलिए कल से पिताजी के साथ खेत-मजूरी करने जाना है। अब मैं आठवीं कक्षा में हूँ। मुझे आगे पढने का शौक है। मैं स्कूल जाए बिना मिहिर को कैसे मिलूँगा ? मेरे दोस्तो में सबसे जिगरी दोस्त मिहिर ही है। उससे राजमा-चावल कैसे खाऊँगा ? मेरे जैसे मिहिर भी दुखी होगा। मुझे सिर्फ एक जोडा नीली-खाकी यूनीफॉर्म ही थी। तब भी सारे दिन स्कूल जाना पसंद था। आगे मैं क्या करूँ ?

30. मिहिर का पत्र (मोरपाल रोज़ स्कूल आता है)

स्थान : ……………….

तारीख : ……………….

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से,एक खास बात बताने केलिए यह पत्र भेज रहा हूँ।

SREEJITH R KOVOOR VARKALA, SCRIBS hk 9539128515

तुम्हें देखने की इच्छा से मैं तुम्हारे गाँव में आया था, पर देख न सका। तुम्हारे जैसा एक दोस्त है मुझे। हम कक्षा में पास-पास बैठते हैं। उसका नाम मोरपाल है। वह हर दिन घर से पंद्रह किलोमीटर साइकिल चलाकर स्कूल आता था। स्कूल के प्रति उसका प्रेम गहरा है। मैं छुट्टी मिलने पर नाचता हूँ और खुशियाँ मनाता हूँ। लेकिन वह छुट्टी पर रोता है। वह हर दिन स्कूल आता है। पढने की उसकी इच्छा देखकर मुझे बडी खुशी आती है। वह भी तुम जैसे प्यारा है। एक दिन मैं उसे लेकर तुम्हारे घर आऊँगा।

वहाँ तुम्हारी नौकरी कैसे हो रही है ? तुम कब यहाँ आओगी ? परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

सेवा में,
नाम
पता।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

31. मिहिर का पत्र (शादी में भी मोरपाल यूनीफॉर्म पहनकर आया देखकर)

स्थान : ………………
तारीख : ………………

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से,एक खास बात बताने केलिए यह पत्र भेज रहा हूँ।

मैंने अपने मित्र मोरपाल के बारे में पहले तुमसे बताया था न ? उसे मैंने हमेशा स्कूल यूनिफॉर्म पहने ही देखा था। लेकिन मोहल्ले की किसी शादी में उसे वही स्कूल यूनिफॉर्म पहने हुए देखा तो सचमुच मैं हैरान रह गया । कोई शादी में ऐसा आता है क्या ? हम तो शादी में बेहतर कपडे ही पहनते हैं न ? सोचा कि उससे इसके बारे में पूछ ले । बाद में ही मुझे पता चला कि उसके पास एकमात्र कमीज पैंट का नया जोडा वह नीली - खाकी स्कूल यूनिफॉर्म ही थी। इसलिए वह हमेशा यही पहनकर घूमता था। कितनी बुरी हालत है उसकी। अगले दिन ही मैं अपने पास के कुछ नए कपडे उसको दूँगा।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? तुम कब यहाँ आओगे ? तुम्हारे परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

सेवा में,
नाम
पता।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

32. मिहिर का पत्र (मोरपाल का स्कूल आठवीं के बाद छूट जाने के बारे में)

स्थान : ………………
तारीख : ………………

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ कुशलता से हूँ। परीक्षा की तैयारी में होंगे ? एक खुशी की बात बताने केलिए यह पत्र लिखता हूँ।

मेरी कक्षा में एक मित्र है, उसका नाम मोरपाल है। सारे दिन मोरपाल मेरेलिए छाछ लाता है। बदले में मैंने उसको राजमा-चावल देता हूँ। आज मोरपाल ने मुझसे कहा कि वह कल से स्कूल नहीं आएगा। मैं यह सुनकर स्तब्ध रह गया। वह गरीब है तो भी पढने में होशियार है। मुझे तो स्कूल जाना पसंद नहीं है। मोरपाल कल से अपने पिता के साथ खेत-मजूरी करने जाएगा। मैं मोरपाल की दोस्ती के कारण ही स्कूल जाता था। कल से मैं कैसे स्कूल जाऊँ ? किससे दोस्ती करूँ ? मैं बहुत उदास हूँ।

तुम्हारी माताजी और पिताजी को मेरा प्रणाम। छोटे भाई को मेरा प्यार। तुम्हारी जवाब की प्रतीक्षा में,

सेवा में,
नाम
पता।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

33. वार्तालाप – मिहिर और मोरपाल के बीच (मोरपाल स्कूल छूट देने की बात)

मिहिर - नमस्ते मोरपाल।
मोरपाल - नमस्ते।
मिहिर - तुम क्यों उदासीन हो ? बताओ मुझसे। क्या बात है ?
मोरपाल - तुमसे छिपाने को कुछ नहीं है। कल से मैं स्कूल नहीं आऊँगा।
मिहिर - क्या ? तुमने क्या बताया ?
मोरपाल - ठीक ही कहा है मिहिर।
मिहिर - फिर तुम क्या करने जा रहे हो ?
मोरपाल - कल से पिताजी को खेती में सहायता करने जाऊँगा।
मिहिर - तुमको स्कूल आना बहुत पसंद है न ?
मोरपाल - पसंद है। लेकिन मैं मज़बूर हूँ।
मिहिर - मुझे स्कूल आना बहुत पसंद नहीं है। कल से तुम भी नहीं हो तो …
मोरपाल - कोई बात नहीं … अच्छी तरह पढो। हम फिर मिलेंगे।
मिहिर - ठीक है मोरपाल।

SREEJITH P. KOVOOR VARKALA, SCRHS 9447872454S

34. वार्तालाप को आगे बढाएँ ।

मोरपाल – यार, तुम कल कहाँ गए थे ?

मिहिर - बारिश में कोई स्कूल आएगा क्या ?

मोरपाल – तुम्हें स्कूल की छुट्टी उतना पसंद है ?

मिहिर - हाँ यार, मुझे तो स्कूल आना ही पसंद नहीं । इसलिए ऐसी किसी छुट्टी की इंतज़ार हमेशा करता रहता हूँ ।

मोरपाल – पर मुझे तो स्कूल की छुट्टी बुरी लगती है ।

मिहिर - पूछना भूल गया, तुम रोज़ नागा स्कूल क्यों आते हो ?

मोरपाल – स्कूल आते समय ही मैं घर के कमरतोड मेहनत से बचकर एक बच्चा बन जाता है ।

मिहिर - आज तुम छाछ नहीं लाया ?

मोरपाल – हाँ लाया । तुम राजमा भी लाया है न ?

मिहिर - नहीं भूला । अब हम क्लास में जाएँ । घंटी बजा होगा । क्लास टीचर को छुट्टी पत्र भी देना है ।

मोरपाल – ठीक है । जल्दी चलो ।

35. पटकथा (रोज़ मोरपाल स्कूल आने के बारे में मिहिर उससे पूछने पर)

स्थान - स्कूल का रास्ता ।
समय - सुबह के10 बजे ।
पात्र - 1. मिहिर, 11 साल का लडका, नीली-खाकी यूनीफॉर्म पहना है ।
2. मोरपाल, 11 साल का लडका, नीली-खाकी यूनीफॉर्म पहना है ।
घटना का विवरण - स्कूल से वापस जाने पर दोनों आपस में बातें करते हैं ।

संवाद -

मिहिर – अरे मोरपाल, मैं तुमसे एक बात पूछूँ ?

मोरपाल - पूछो यार, क्या बात है ?

मिहिर – क्या तुम्हें स्कूल आना बहुत पसंद है ?

मोरपाल - हाँ, क्या है ?

मिहिर – तुम एक दिन दिन भी छुट्टी क्यों न लेते ?

मोरपाल - स्कूल आने से मैं घर की खेत मजूरी से बच जाती और अपने मित्रों से मिल सकूँगा और खेल सकूँगा ।

मिहिर – ठीक है यार । मुझे तो स्कूल आना ही पसंद नहीं ।

मोरपाल – क्या छुट्टी पसंद है ?

मिहिर – हाँ, लेकिन मुझे तो हमारी दोस्ती बहुत पसंद है ।

मोरपाल – मुझे भी ऐसा ही है यार । काश हमारी दोस्ती कभी न छूट जाती !

मिहिर - फिकर मत करो यार, हमारी दोस्ती इसी तरह बनी रहेगी । अब मैं जाता हूँ, कल मिलेंगे ।

मोरपाल – ठीक है, बाई ।

(दोनों अलग – अलग रास्ते से आगे बढ जाते हैं ।)

36. पोस्टर (संदेश) – गरीबी विषय पर

देश की उन्नति केलिए
गरीबी
दूर करनी चाहिए ।
राष्ट्र निर्माण केलिए गरीबी हटाएँ ।
गरीबी देश के सर्वनाश का कारणबनता है ।
एक-एक नागरिक का कर्तव्य है गरीबी हटाना ।
गरीबी हटाने केलिए सक्रिय भागीदारी करें ।
गृह संत्रालय, नई दिल्ली

SREEJITH R. KUDOOR VARKALA, SCR145 ph 9567224545

5. आशय समझकर सही मिलान करके लिखें ।

1. रोज़ स्कूल जाना - यूनीफॉर्म पहनकर आता था।
   शादी में मोरपाल - लेखक घर में खुशी मनाता था।
   रविवार की छुट्टी - मिहिर को पसंद नहीं था।
   स्कूल की छुट्टी मिलने पर - मोरपाल को बुरी लगती थी।

2. मिहिर को स्कूल में बिताए समय – उसके पास बडे शहरों से खरीदे बेहतर कपडे थे ।
   मिहिर केलिए स्कूल यूनीफॉर्म बोझ थी – एक बच्चा बन जाता था ।
   स्कूल जाते समय मोरपाल – नीली खाकी स्कूली यूनीफॉर्म थी ।
   मोरपाल के पास कमीज़-पैंट का नया जोडा – जीवन का सबसे अच्छा समय था ।

व्याकरण अंश

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

1. स्कूल छूट जाना पडता है । पाठशाला छूट जानी पडती है ।
   पत्र लिखना पडता है । चिट्ठी -------------------------।
2. वे रोज़ स्कूल चले जाते थे । वे रोज़ स्कूल चले जाते हैं ।
   वह छुट्टी पर खुशी मनाता था । वह छुट्टी पर खुशी -------- ।
3. मैं छुट्टी केलिए रोया करता हूँ । आप छुट्टी केलिए ----------।
4. पिताजी खेत मजूरी करेंगे । माताजी खेत मजूरी -----------।

2 . कोष्ठक से सही क्रिया रूप से वाक्य की पूर्ति करें ।

1. मोरपाल का स्कूल आँठवीं के बाद ----------। (छूट जाते हैं, छूट जाता है, छूट जाती हैं, छूट जाती है)
2. स्कूल की छुट्टी हो -------------------------। (जाया करता, गया करता, जाया करती, गया करती)
3. हफ्ते का बुरा दिन --------------------। (हुआ करता, हुए करते, हुई करती, हुई करतीं)

4. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. वे यूनीफॉर्म पहना करता था ।
   वे यूनीफॉर्म पहने करते थे ।
   वे यूनीफॉर्म पहना करते थे ।
   वे यूनीफॉर्म पहने करता था ।

2. वह खेत मजूरी करना नहीं चाहता हूँ ।
   वह खेत मजूरी करना नहीं चाहते हो ।
   वह खेत मजूरी करना नहीं चाहता है ।
   वह खेत मजूरी करना नहीं चाहते हैं ।

5. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. यूनीफॉर्म पहनना पसंद है । (शादी में भी, स्कूल की)
   मोरपाल को यूनीफॉर्म पहनना पसंद है ।
   ---।
   ---।

2. छुट्टी थी । (तेज़, बारिस के कारण)
   स्कूल की छुट्टी थी ।
   --------------------------- ।
   --------------------------- ।

3. मैं हैरान रह गया । (स्कूली, शादी में)
   उसे यूनीफॉर्म में देखकर मैं हैरान रह गया ।
   ------------------------------------।
   ------------------------------------।

6. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

1. उसका <u>स्कूल</u> छूट जाता है । (पाठशाला)
2. <u>मैं</u> घर पर नाचा करता था । (हम)
3. मोरपाल मोहल्ले की <u>शादी</u> में आया । (विवाह)

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545